

विश्व नाटक में तुम हीरो एक्टर हो...!!!

ज्ञान के सागर परम शिक्षक ने जो स्वयं आकर हमें सम्पूर्ण ज्ञान दिया, उसमें एक ज्ञान सृष्टि के आदि-मध्य-अंत का भी है। आदि क्या थी इस सृष्टि चक्र की, बीच में क्या-क्या हुआ, अंत में क्या होगा, कैसा होगा, तो इसकी तुलना भगवान ने एक फिल्म से, एक नाटक से, एक ड्रामा से की है। ये धरा रंगमंच है। तुम आत्माएं एक्टर हो। तुम्हारा घर परमधाम है, ब्रह्मलोक। वहाँ से तुम आये हो। ये जो शरीर तुमने पहना है, ये तुम्हारा वस्त्र है। इसको पहनकर तुम अपना पार्ट यहाँ बजा रहे हो। सभी मनुष्यात्माएं एक्टर हैं। सभी को अपना-अपना पार्ट मिला हुआ है, जैसे फिल्म में मिल जाता है। जैसे किसी सीरियल में मिल जाता है।

तो देखिए ये विश्व एक विशाल नाटक है। और सबका पार्ट रिकॉर्डेड है आत्मा में। शरीर रूपी ड्रेस पहनकर सभी आत्मा अपना पार्ट यहाँ प्ले कर रही हैं। इस विश्व ड्रामा के बारे में कई बातें बाबा ने हमें गुह्य रूप से बता दी हैं। कई प्रश्न किया करते हैं कि क्या इस ड्रामा को हम चेंज कर सकते हैं? पर चेंज करने की जरूरत तो तब पड़े जब वो खराब हो। भगवान ने कह दिया कि ये ड्रामा एक्ज्यूट चल रहा है। ये ड्रामा मुझे बहुत प्रिय है। ये ड्रामा क्रियेटर को प्रिय है तो तुम सबको भी तो प्रिय होना चाहिए। इसमें सबकुछ बहुत अच्छा चल रहा है। चिंतन करें कि रात भी अच्छी, दिन भी अच्छा। ये हार-जीत और सुख-दुःख का खेल चल रहा है। इसमें सभी मौसम आते हैं। सभी अच्छे हैं। बरसात भी अच्छी, गर्मी भी अच्छी, तो सर्दी भी अच्छी, इसका सम्पूर्ण ज्ञान हमें दिया है। और हमारा दृष्टिकोण दूसरों के लिए बदल गया।

सबसे पहली चीज हमें पता चल गई कि इस ड्रामा के प्रारम्भ में जो हमारा पार्ट था वो देवी-देवता के रूप में था। हम सब देवी-देवता धर्म की महान आत्माएं हैं। तब हम सम्पूर्ण पवित्र थे, ये संसार स्वर्ग था। ये धरा भरपूर थी। यहाँ अथाह सम्पदा, सोना, हीरे, मोती, माणिक, सब बहुत ज्यादा थे। उस समय केवल भारत ही था। भारत बहुत-बहुत साहूकार इतना साहूकार कि सोने के तो महल और घर बनते थे। लेकिन जो साधारण भी देवता होगा उसके भी चांदी के घर, दरवाजों पर सोना मंदा हुआ, जो बिल्कुल साधारण है। और जिन्होंने संगमयुग पर श्रेष्ठ भाग्य बनाया है उनके पास तो सोना ही सोना होगा। घर भी सोने का, ईंटें भी सोने की, छत भी सोने की, दरवाजे भी सोने के, बहुत सुन्दर



वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. सूरज भाई

विश्व रंगमंच पर आप ही हीरो एक्टर हैं, यह राज परमपिता परमात्मा ने हमें याद दिलाया। हर कोई अपना-अपना पार्ट बजा रहा है। इसी साइकलिंग में खेल चल रहा है। आप इस दृष्टि से सबको देखें तो किसी का भी कोई दोष नहीं है। इस वास्तविकता को जानकर निश्चिंत रहें, अचल रहें, स्थिति को श्रेष्ठ और स्थिर बनाएं।

आर्किटेक्ट, बहुत सुन्दर डिजाइन, ऐसे वहाँ मकान होंगे। जिन्हें देखते ही मन आनंदित हो जाए। तो बताया कि तुमने ही विश्व पर राज किया था तब, तुम्हारे अन्दर बहुत इनर पॉवर और इनर टैलेंट था।

कई इस ड्रामा को लेकर ये कहते हैं कि अगर बनी बनाई है तो फिर पुरुषार्थ क्यों करें? पार्ट है वो तो हमारा, पुरुषार्थ करना भी तो पार्ट है ना! वो भी फिक्स है, वो भी हमें करना ही होगा। इसलिए ये कभी नहीं सोचना है कि पुरुषार्थ क्यों करें? ये संसार का खेल पुरुषार्थ और प्रालब्ध, कर्म और फल, कर्म और भाग्य इससे ही तो चल रहा है। इसी साइकलिंग में खेल चल रहा है। तो आप इस दृष्टि से सबको देखें जरा कि सभी आत्माएं अपना-अपना पार्ट प्ले कर रही हैं। किसी का यहाँ दोष नहीं है, पक्का करें अपने में।

अभी मान लो रामायण में रावण का पार्ट

बजाया, वो पण्डित अरविंद, वो जब हमारे यहाँ आये तो लोग उसका मजाक करते थे कि बहुत क्रोध करते हैं आप तो, उन्होंने कहा कि मुझे तो क्रोध आता ही नहीं, मैं तो शांत हूँ। लेकिन वो रावण के रूप में मुझे पार्ट प्ले करना था तो उसकी एक्टिंग करनी थी। वो क्रोध मुझे दिखाना था। तो देखिए दो रूप हो गये ना, दो फेसेज हो गए, एक उसका रियल फेस वो पण्डित अरविंद बहुत शांत, एक अच्छा व्यक्ति, दूसरी ओर उसको मिला हुआ पार्ट रावण का जिसमें उसका उग्र रूप दिखाया है। जिसमें बहुत क्रोधी और अभिमानी उसको दिखाया है, तो अगर कोई पण्डित अरविंद को देखकर ये सोच ले कि ये व्यक्ति तो बड़ा घमण्डी है, बड़ा अहंकारी है, क्रोधी है तो ये गलत होगा ना! तो इसी तरह इस ड्रामा के प्रति, लोगों के प्रति जो दृष्टिकोण है वो बदल जाएगा। इसको देखकर जो भिन्न-भिन्न क्वेश्चन उठते हैं, भगवान ने ऐसा क्यों रचा, ये मनुष्य ऐसा क्यों कर रहे हैं, इन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए।

हम जानते हैं पाप बहुत बढ़ गया है। क्रिमिनलिटी बढ़ गई है, अत्याचार, वायलेन्स सब बहुत बढ़ा हुआ है। और एक अच्छे व्यक्ति के मन में ये प्रश्न उठता ही है कि ये क्यों? इस समझदार मनुष्य को आखिर हो क्या गया? जो बात-बात में झगड़ने लगा है, आन्दोलन होने लगे, पत्थरबाजी होने लगी है, ये क्या होने लगा है इस इंसान को! क्या धर्म यही सिखाते हैं? मनुष्य का चिंतन तो चलता है। पर जो ज्ञानी, जो ब्रह्मावत्स इस ड्रामा के ज्ञान को पूरी तरह जान गए हैं। उनका चित्त शांत रहता है कि ये खेल पूरी तरह एक्ज्यूटली चल रहा है। इसमें जो हो रहा है वही सत्य है और कर्म के अनुसार, समय के अनुसार वही तो होना चाहिए। देखिए कितनी गहरी बात है। जो हो रहा है, वही एक्ज्यूट है, वही सत्य है, और वही होना चाहिए। तो एक बहुत सुन्दर चीज हम सबको मिलती है इस विश्व के ज्ञान में, चित्त शांत होता है। क्या, क्यों की उलझन से हम मुक्त हो जाते हैं और अपने श्रेष्ठ कर्म में लग जाते हैं। अपने भविष्य को सुन्दर बनाने में लग जाते हैं।

ये हमें नहीं सोचना है कि हमारा भविष्य तो सुन्दर था ही, देवी देवता थे हम पुरुषार्थ क्यों करें! क्योंकि वो सुन्दर था ही इसलिए क्योंकि इस समय हमने वो पुरुषार्थ किया था, वो हमें रिपीट करना ही है। तो ड्रामा के ज्ञान से अपने चित्त को पूरी तरह शांत करें।



गुरुग्राम-सेक्टर 4 (हरियाणा)। नई दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ब्र.कु. आशा को 'राज्य शिक्षक पुरस्कार 2025' पुरस्कार भेंट कर सम्मानित करने के पश्चात् समूह चित्र में दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता, भारत सरकार के केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान, दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सुद तथा अन्य।



जयपुर-श्रीनिवास नगर (राज.)। राजस्थान की माननीय उपमुख्यमंत्री दिशा कुमारी से मुलाकात कर प्रसाद भेंट करते हुए ब्र.कु. हेमलता।



शाहजहांपुर-उ.प्र.। उत्तरप्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना को सीनियर सिटीजन कार्यक्रम में पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित करते हुए ब्र.कु. चरिता बहन। साथ हैं ब्र.कु. रीना।



चांदपुर-उ.प्र.। उत्तरप्रदेश के पूर्व परिवहन मंत्री व विधान परिषद सदस्य अशोक कटारिया से मुलाकात कर उन्हें ओमशान्ति मीडिया पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. साधना। साथ है ब्रह्माकुमार भाई।



मेरठ-हापुड़ (उ.प्र.)। लोकसभा सांसद अरुण गोविल से उनके कार्यालय पर स्नेह मुलाकात करने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. लक्ष्मी दीदी, ब्र.कु. आरती एवं ब्र.कु. वृजेश।



उकलाना मंडी-हरियाणा। विधायक नरेश सेलवाल से ज्ञान चर्चा करने के पश्चात् साथ हैं ब्र.कु. दीपक, मांउट आवु, ब्र.कु. लक्ष्मी एवं ब्र.कु. ईश्वर सोनी।



कूच बिहार-गुंजाबरी (प.ब.)। शिक्षक दिवस पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभाशुभ करते हुए स्थानीय सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. सम्पा, सिस्टर रिखा, प्रोफेसर कार्तिक जी, प्रोफेसर हिमांशु, प्रिंसिपल बीदुर एवं हेड मास्टर अनन्त जी।



चक्रधरपुर-झारखंड। ब्रह्माकुमारीज पाठशाला परिसर में मधुसूदन पब्लिक स्कूल के निदेशक बलराज हिन्दवार के नेतृत्व में शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में संचालिका डॉ. ब्र.कु. मानिनी बहन, ब्र.कु. सुशीला, ब्र.कु. ओडिया तथा अन्य भाई-बहनें।



बहादुरगढ़-सेक्टर 7 (हरियाणा)। विश्व बंधुत्व दिवस पर राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की 18वीं पुण्यतिथि पर आयोजित विशाल रक्तदान शिविर में सभा को सम्बोधित करते हुए नगर परिषद की चेयरपर्सन श्रीमती सरोज रमेश राठी। मंचासीन हैं ब्र.कु. विनीता, ब्र.कु. अंजलि, कर्मवीर राठी एवं राजपाल जांगड़ा।



दिल्ली-ईस्ट विनोद नगर। ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल प्रभाग द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नशा मुक्त भारत बनाने व जन-जन को जागरूक करने के लिए निकाली गई रैली में ब्रह्माकुमार भाई-बहनें। रैली के माध्यम से लगभग 1000 से अधिक भाई-बहनों ने नशा से मुक्त होने का वायदा किया।